

म्रसाधा रण

EXTRAORDINARY

भाग II खण्ड 3--उपलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 252

नई दिल्ली, बृहरानिवार, जून 6, 1974/ज्येष्ठ 16, 1896

No. 252]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 6, 1974/JYAISTHA 16, 1896

इस भार में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा हा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation.

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 6th June 1974

S.O. 346(E).—Whereas, in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas, any strike in the Oil India Limited, a Company supplying crude oil and natural gas, would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said Oil India Limited;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits with immediate effect, any strike in connection with any industrial dispute in the Oil India Limited, for a period of six months.

[No. F. S-42025/16/74-LR.I.]

N. P. DUBE, Addl. Secy.

अस मंत्रालय

मावेश

नई दिल्ली, 6 जून, 1974

का॰ ग्रा॰ 346(ग्र). — यतः केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के लिए ग्रावश्यक प्रदाय ग्रीर सेवाएं बनाए रखने के लिए ऐना करना श्रावश्यक ग्रीर समीचीन है;

श्रीर यतः श्रॉयल इण्डिया लिमिटेड जो कच्चा तेल श्रीर प्राकृतिक गैस सप्लाई करने वाली एक कम्पनी है, में कोई हड़ताल समुदाय के जीवन के लिए श्रावश्यक प्रवाय श्रीर सेवाश्रो को बनाये रखने पर प्रतिकृत प्रभाव डालेगी, इसलिए उक्त श्रॉयल इण्डिया लिमिटेड में हड़तालों को रोकना श्रावश्यक श्रीर समीचीन है;

ग्रतः, ग्रव, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्रॉयल इण्डिया लिमिटेड में किसी भी श्रीशोगिक विवाद से सम्बन्धित किसी भी हड़ताल को तत्काल प्रभाव से छः माह की श्रवधि के लिए प्रतिषिद्ध करती है।

> [सं॰ फा॰ एस-42025/16/74-एल॰ म्नार॰ I] नि॰ प्र॰ दुवे, मार सनिव।